No. of Printed Pages : 5 **MVS–014**

P. G. DIPLOMA IN VASTUSHASTRA (PGDVS)

Term-End Examination

June, 2025

MVS–014 : PALACE, VILLAGE AND CITY VASTU

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *This question paper is in two Sections. Both Sections are compulsory. Answer the question in accordance with the instructions given in each Section.*

Section—A

Note : *Answer any* ***three*** *of the following questions.* 3×20=60

1. Describe the style of construction of temples.
2. Describe the ideas in Vastushastra relating to military, army or camps.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. Elaborate on the rules relating to the shapes and types of Royal Palaces according to Vastu.
4. How is the decoration of Royal Palaces done according to the rules of Vastushastra ? Describe.
5. Describe the principles of temple-construction.
6. Which land is approaproate for temple construction ? Describe on the basis of Vastu.

Section—B

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* 4×10=40

1. Briefly describe the principles of Royal Palace Construction.
2. Briefly describe Bhuvanakosh (Planetary System).
3. Describe the nature of Dakargala.
4. Elaborate the views related to diseases in Vastushastra.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

5. Briefly describe the nature of Nagara (city/urban dwelling) Vastu.
6. Mention the rules related to the shape and type of land for temple construction in Vastushastra.
7. Mention the types of villages and the plan of Vastu related to it.
8. What is the place of the environment in Vastushastra ? Describe.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

MVS–014

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.वी.एस.-014 : प्रासाद, ग्राम एवं नगर वास्तु

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$3 \times 20 = 60$

1. देवप्रासाद निर्माण की शैली का वर्णन कीजिए।
2. सैन्य शक्ति या शिविर सम्बन्धी वास्तुशास्त्रीय विचारों का वर्णन कीजिए।
3. वास्तु के अनुसार राजप्रासाद के आकार-प्रकार सम्बन्धी नियमों का वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. वास्तुशास्त्रीय नियम से राजप्रासाद की सज्जा कैसे होती है ? वर्णन कीजिए।

5. मन्दिर–निर्माण के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

6. किस भूमि पर मन्दिर निर्माण हो सकता है ? वास्तु के आधार पर वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. संक्षेप में राजप्रासाद निर्माण के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

2. भुवनकोश का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. दकार्गल के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. रोग–विषयक वास्तुशास्त्रीय मत का वर्णन कीजिए।

5. नगर–वास्तु का स्वरूप संक्षेप में लिखिए।

6. भूमि के आकार–प्रकार हेतु मन्दिर निर्माण में वास्तुशास्त्र का क्या नियम है, उल्लेख कीजिए।

7. ग्रामभेद एवं उसकी वास्तुयोजना का उल्लेख कीजिए।

8. पर्यावरण का वास्तुशास्त्र में क्या स्थान है ? वर्णन कीजिए।

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com